## हिन्दी पाठ्यक्रम

**पाठ्यपुस्तक का नाम – "क्षितिज" व "कृतिका"**

**हिन्दी व्याकरण – मानक हिन्दी व्याकरण एवं रचना**

क. अपठित बोध – 10 ख. व्यवहारिक व्याकरण – 16

ग. पाठ्य पुस्तक – 34 घ. लेखन कौशल – 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 40 वर्णननात्मक प्रश्न– 40

**कुल अंक – 80**

**इकाई परीक्षा – 1**

गद्य खंड– पाठ– 1 नेता जी का चश्मा।

काव्य खंड – पाठ– 1 ऊधो तुम हौ अति बड़ भागी–पद।

हिन्दी व्याकरण – रचना के आधार पर वाक्य–भेद । पद परिचय पत्र लेखन – औपचारिक/अनौपचारिक

**इकाई परीक्षा –2**

गद्य खंड– पाठ–2 बालगोबिन भगत पाठ–5 उत्साह/अट नही रही है

कृतिका – पाठ– 1 माता का आँचल

हिन्दी व्याकरण – वाच्य परिवर्तन/पद–परिचय

लेखन कौशल– अनुच्छेद लेखन (किसी भी विषय पर)

**"अद्‌र्धवार्षिक पाठ्यक्रम"**

**गद्य खंड–**

पाठ– 1 नेता जी का चश्मा पाठ– 2 बालगोबिन भगत

पाठ–3 लखनवी अंदाज पाठ–4 मानवीय करूणा की दिव्य चमक

पाठ–5 एक कहानी यह भी

काव्य खंड–

पाठ– 1 ऊधो तुम हौ अति बड़भागी। पाठ– 2 राम–लक्ष्मण परशुराम संवाद

पाठ– 5 उत्साह , अट नही रही है। पाठ– 6 यह दंतुरित मुस्कान/फसल

पाठ– 7 छाया मत छूना

कृतिका – पाठ–1 माता का आँचल पाठ–2 जॉर्ज पंचम की नाक

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित

हिन्दी व्याकरण – रचना के आधर पर वाक्य भेद

वाच्य परिवर्तन / पद परिचय

रस व उसके अव्यय

अपठित बोध – गदयांश व काव्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर

अनुच्छेद लेखन – किसी भी विषय से संबंधित (80–100 शब्दों में)

विज्ञापन लेखन – किसी भी विषय से संबंधित (25–50) शब्दो में चित्र सहित विज्ञापन लेखन।

संदेश लेखन – शुभकामना , सामाजिक , शोक , पर्व–त्योहारों एंव विशेष अवसरो पर दिए जाने वाले संदेश (30–40 शब्दों में)

**"वार्षिक पाठ्यक्रम"**

गद्य खंड पाठ–7 नौबत खाने में इबादत

काव्य खंड– पाठ–8 कन्यादान पाठ– 9 संगतकार

कृतिका – पाठ–1 माता का आँचल पाठ–2 जॉर्ज पंचम की नाम

पाठ–3 साना–साना हाथ जोडि।

वस्तुनिश्ठ प्रश्नों पर आधारित

हिन्दी व्याकरण – रचना के आधार पर वाक्य भेद।

पद–परिचय

वाच्य परिवर्तन

रस व उसके अव्यय

अपठित बोध – काव्यांष व गद्‌यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर।

पत्र लेखन – औपचारिक व अनौपचारिक पत्र।

अनुच्छेद लेखन – किसी भी विषय से संबंधित (80–100 शब्दों में)

विज्ञापन लेखन – किसी भी विषय से संबंधित (25–50) शब्दों में चित्र सहित विज्ञापन लेखन।

संदेश लेखन – शुभकामना , पर्व–त्योहारो , सामजिक , शोक एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश (30–40 शब्दों में)

अद्‌र्धवार्षिक पाठ्यक्रम 'प्री बोर्ड परीक्षा' व वार्षिक परीक्षा में भी सम्मिलित होगा।